Job

Chapter 29

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וַיֹּסֶף	אִיּוֹב	שְׂאֵת	מְשָׁלוֹ	וַיֹּאמַר׃
और-जारी-रखा	अय्यूब	उठाना	दृष्टांत-अपना	और-कहा
H3254	H0347	H5375	H4912	H0559

अपनी बात को जारी रखते हुये अय्यूब ने कहा:

2

מִי־	יִתְּנֵנִי	כְיַרְחֵי־	קֶדֶם	כִּימֵי	אֱלוֹהַּ	יִשְׁמְרֵנִי׃
मैं-देता-कौन	कि-मैं-होता	महीनों-में-पहले-के	जैसे-दिनों-में	ईश्वर	रखता-था-मुझे	—
H4310	H5414	H3391		H3117	H0433	H8104

“काश! मेरा जीवन वैसा ही होता जैसा गुजरे महीनों में था। जब परमेश्वर मेरी रखवाली करता था, और मेरा ध्यान रखता था।

3

בְּהִלּוֹ	נֵרוֹ	עֲלֵי	רֹאשִׁי	לְאוֹרוֹ	אֵלֶךְ	חֹשֶׁךְ׃
ब-जलाना-उसका	दीपक-अपना	मेरे-सिर-पर	उसकी-ज्योति-से	चलता-था-मैं	अंधकार-में	—
				H0216	H3212	H2822

मैं ऐसे उस समय की इच्छा करता हूँ जब परमेश्वर का प्रकाश मेरे शीश पर चमक रहा था। मुझको प्रकाश दिखाने को उस समय जब मैं अन्धेरे से हो कर चला करता था।

4

כַּאֲשֶׁר	הָיִיתִי	בִּימֵי	חָרְפִּי	בְּסוֹד	אֱלוֹהַּ	עֲלֵי	אָהֳלִי׃
जैसा-कि-मैं-था	मेरी-पकने-के-दिनों-में	ब-मैत्री-की	ईश्वर-की	मेरे-तंबू-पर	—	—	—
	H1961	H3117	H2779	H5475	H0433		H0168

ऐसे उन दिनों की मैं इच्छा करता हूँ, जब मेरा जीवन सफल था और परमेश्वर मेरा निकट मित्र था। वे ऐसे दिन थे जब परमेश्वर ने मेरे घर को आशीष दी थी।

5

בְּעוֹד	שַׁדַּי	עִמָּדִי	סְבִיבוֹתַי	נְעָרָי׃
अभी	सर्वशक्तिमान	मेरे-साथ	चारों-ओर-मेरे	मेरे-लड़के
H5750	H7706	H5978	H5439	H5288

ऐसे समय की मैं इच्छा करता हूँ, जब सर्वशक्तिशाली परमेश्वर अभी तक मेरे साथ में था और मेरे पास मेरे बच्चे थे।

6

בִּרְחֹץ	הֲלִיכַי	בְּחֵמָה	וְצוּר	יָצוּק	עִמָּדִי	פַּלְגֵי־	שָׁמֶן׃
ब-धोने-में	मेरे-कदमों-को	और-चट्टान	उंडेलता-था	मेरे-लिए	तेल-की-नहरें	—	—
H7364	H1978		H6697	H6694	H5978	H6388	H8081

ऐसा तब था जब मेरा जीवन बहुत अच्छा था, ऐसा लगा करता था कि दूध—दही की नदियाँ बहा करती थी, और मेरे हेतू चट्टाने जैतून के तेल की नदियाँ उँडेल रही हैं।

7

בְּצֵאתִי	שַׁעַר	עֲלֵי־	קָרֶת	בָּרְחוֹב	אָכִין	מוֹשָׁבִי׃
ब-जाता-था-मैं	फाटक-की-ओर	चौक-में	नगर-के	लगाता-था-मैं	आसन-अपना	—
H3318	H8179		H7176	H7339		H4186

“ये वे दिन थे जब मैं नगर—द्वार और खुले स्थानों में जाता था, और नगर नेताओं के साथ बैठता था।

8

רָאוּנִי	נְעָרִים	וְנֶחְבָּאוּ	וִישִׁישִׁים	קָמוּ	עָמָדוּ׃
देखते-थे-मुझे	जवान	और-छिप-जाते-थे	और-बूढ़े	उठ-खड़े-होते-थे	—
H7200	H5288	H2244	H3453		H5975

वहाँ सभी लोग मेरा मान किया करते थे। युवा पुरुष जब मुझे देखते थे तो मेरी राह से हट जाया करते थे। और वृद्ध पुरुष मेरे प्रति सम्मान दर्शाने के लिये उठ खड़े होते थे।

9						
	שָׂרִים	עָצְרוּ	בְמִלִּים	וְכַף	יָשִׂימוּ	לְפִיהֶם׃
	सरदार	रोक-लेते-थे	वचनों-को	और-रख-लेते-थे	हाथ	मुंह-पर-अपने
	H8269	H6113	H4405	H3709		H6310

जब लोगों के मुखिया मुझे देख लेते थे, तो बोलना बन्द किया करते थे।

10						
	קוֹל־	נְגִידִים	נֶחְבָּאוּ	וּלְשׁוֹנָם	לְחִכָּם	דָּבֵקָה׃
	आवाज़-की	नेताओं	छिप-जाती-थी	और-जीभ	उनकी	चिपक-जाती-थी
		H5057	H2244	H3956	H2441	H1692

यहाँ तक की अत्यन्त महत्वपूर्ण नेता भी अपना स्वर नीचा कर लेते थे, जब मैं उनके निकट जाया करता था। हाँ! ऐसा लगा करता था कि उनकी जिहवायें उनके तालू से चिपकी हों।

11							
	כִּי	אֹזֶן	שָׁמְעָה	וַתְּאַשְּׁרֵנִי	וְעַיִן	רָאֲתָה	וַתְּעִידֵנִי׃
	कि	कान	सुनता-था	और-धन्य-कहता-था-मुझे	और-आँख	देखती-थी	और-गवाही-देती-थी-मेरी
		H0241	H8085	H0833		H7200	

जिस किसी ने भी मुझको बोलते सुना, मेरे विषय में अच्छी बात कही, जिस किसी ने भी मुझको देखा था, मेरी प्रशंसा की थी।

12								
	כִּי־	אֲמַלֵּט	עָנִי	מְשַׁוֵּעַ	וְיָתוֹם	וְלֹא־	עֹזֵר	לוֹ׃
	कि	छुड़ाता-था-मैं	दीन-को	दोहाई-देनेवाले-को	और-अनाथ-को	और-नहीं	उसका-कोई-सहायक	—
		H4422	H6041	H7768	H3490	H3808	H5826	

क्यों क्योंकि जब किसी दीन ने सहायता के लिये पुकारा, मैंने सहायता की। उस बच्चे को मैंने सहारा दिया जिसके माँ बाप नहीं और जिसका कोई भी नहीं ध्यान रखने को।

13							
	בִּרְכַּת	אֹבֵד	עָלַי	תָּבֹא	וְלֵב	אַלְמָנָה	אַרְנִן׃
	आशीर्वाद-का	नाश-होनेवाले-का	आता-था-मुझ-पर	और-हृदय-का	विधवा-का	गाने-देता-था-मैं	—
	H1293	H0006		H0935		H0490	

मुझको मरते हुये व्यक्ति की आशीष मिली, मैंने उन विधवाओं को जो जरुरत में थी, मैंने सहारा दिया और उनको खुश किया।

14						
	צֶדֶק	לָבַשְׁתִּי	וַיִּלְבָּשֵׁנִי	כִּמְעִיל	וּצְנִיף	מִשְׁפָּטִי׃
	धार्मिकता	पहनता-था-मैं	और-पहनाती-थी-मुझे	वस्त्र-की-तरह	न्याय-मेरा	और-पगड़ी-की-तरह
	H6664	H3847	H3847	H4598	H6797	H4941

मेरा वस्त्र खरा जीवन था, निष्पक्षता मेरे चोगे और मेरी पगड़ी सी थी।

15						
	עֵינַיִם	הָיִיתִי	לַעִוֵּר	וְרַגְלַיִם	לַפִּסֵּחַ	אָנִי׃
	आँखें	था-मैं	अंधे-के-लिए	और-पैर	लंगड़े-के-लिए	मैं
		H1961	H5787	H7272	H6455	H0589

मैं अंधो के लिये आँखे बन गया और मैं उनके पैर बना जिनके पैर नहीं थे।

16							
	אָב	אָנֹכִי	לָאֶבְיוֹנִים	וְרִב	לֹא־	יָדַעְתִּי	אֶחְקְרֵהוּ׃
	पिता	था-मैं	दरिद्रों-के-लिए	और-मुकद्दमा	जो-नहीं-जानता-था-मैं	जांचता-था-मैं	—
	H0001	H0595	H0034	H7379	H3808	H3045	H2713

दीन लोगों के लिये मैं पिता के तुल्य था, मैं पक्ष लिया करता था ऐसे अनजानों का जो विपत्ति में पड़े थे।

17						
	וָאֲשַׁבְּרָה	מְתַלְּעוֹת	עַוָּל	וּמִשִּׁנָּיו	אַשְׁלִיךְ	טָרֶף׃
	और-तोड़ता-था-मैं	दाढ़ों-की	दुष्ट-की	और-उसके-दांतों-से	छुड़ाता-था-मैं	शिकार-को
	H7665	H4973	H5767	H8127	H7993	H2964

मैं दुष्ट लोगों की शक्ति नष्ट करता था। निर्दोष लोगों को मैं दुष्टों से छुड़ाता था।

18							
	וָאֹמַר	עִם־	קִנִּי	אֶגְוָע	וְכַחוֹל	אַרְבֶּה	יָמִים׃
	और-सोचता-था-मैं	घोंसले-के-साथ	मरूँगा-मैं	और-बालू-की-तरह	बढ़ाऊँगा	दिनों-को	—
	H0559		H7064	H1478	H2344		H3117

“मैं सोचा करता था कि सदा जीऊँगा ओर बहुत दिनों बाद फिर अपने ही घर में प्राण त्यागूँगा।

בִּקְצִירִי׃	יָלִין	וְטַל	מָיִם	אֱלֵי־	פָתוּחַ	שָׁרְשִׁי	19
डालियों-पर-मेरी	रात्रि-भर	ठहरेगी	और-ओस	पानी-के-पास	खुली-हुई	जड़-मेरी	
		H2919	H4325	H0413		H8328	

> मैं एक ऐसा स्वस्थ वृक्ष बनूँगा जिसकी जड़े सदा जल में रहती हों और जिसकी शाखायें सदा ओस से भीगी रहती हों।

תַחֲלִיף׃	בְּיָדִי	וְקַשְׁתִּי	עִמָּדִי	חָדָשׁ	כְּבוֹדִי	20
नई-होगी	मेरे-हाथ-में	और-धनुष-मेरा	मेरे-साथ	नई	काव्याद-मेरी	
H2498	H3027	H7198	H5978	H2319	H3519	

> मेरी शान सदा ही नई बनी रहेगी, मैं सदा वैसा ही बलवान रहूँगा जैसे, मेरे हाथ में एक नया धनुष।

עֲצָתִי׃	לְמוֹ	וְיִדְּמוּ	וְיִחֵלּוּ	שָׁמְעוּ	לִי־	21
—	—	मेरी-सलाह-के-लिए	और-चुप-रहते-थे	और-इंतज़ार-करते-थे	सुनते-थे-मुझे	
H6098	H3926		H3176	H8085		

> “पहले, लोग मेरी बात सुना करते थे, और वे जब मेरी सम्मत्ति की प्रतीक्षा किया करते थे, तो चुप रहा करते थे।

מִלָּתִי׃	תִּטֹּף	וְעָלֵימוֹ	יִשְׁנוּ	לֹא	דְבָרִי	אַחֲרֵי	22
—	—	मेरी-बात-उनकी	टपकती-थी	और-मुझ-पर	नहीं-दोहराते-थे	मेरे-वचनों-के-बाद	
H4405	H5197			H3808	H1697		

> मेरे बोल चुकने के बाद, उन लोगों के पास जो मेरी बात सुनते थे, कुछ भी बोलने को नहीं होता था। मेरे शब्द धीरे—धीरे उनके कानों में वर्षा की तरह पड़ा करते थे।

לְמַלְקוֹשׁ׃	פָּעֲרוּ	וּפִיהֶם	לִי	כַמָּטָר	וְיִחֲלוּ	23
—	मुंह-खोलते-थे	बसंत-की	और-जैसे-बारिश-के-लिए	जैसे-वर्षा-के-लिए	और-इंतज़ार-करते-थे-मेरा	
H4456	H6473	H6310		H4306	H3176	

> लोग जैसे वर्षा की बाट जोहते हैं वैसे ही वे मेरे बोलने की बाट जोहा करते थे। मेरे शब्दों को वे पी जाया करते थे, जैसे मेरे शब्द बसन्त में वर्षा हों।

יַפִּילוּן׃	לֹא	פָנַי	וְאוֹר	יַאֲמִינוּ	לֹא	אֲלֵהֶם	אֶשְׂחַק	24
—	—	नहीं-गिराते-थे	मेरे-मुख-की	और-ज्योति-की	नहीं-विश्वास-करते-थे	उनकी-ओर	हंसता-था-मैं	
H5307	H3808	H6440	H0216	H0539	H3808	H0413	H7832	

> जब मैं दया करने को उन पर मुस्कराता था, तो उन्हें इसका यकीन नहीं होता था। फिर मेरा प्रसन्न मुख दु:खी जन को सुख देता था।

כַּאֲשֶׁר	בַּגְּדוּד	כְּמֶלֶךְ	וְאֶשְׁכּוֹן	רֹאשׁ	וְאֵשֵׁב	דַּרְכָּם	אֶבְחַר	25
जैसे	सेना-में	जैसे-राजा	और-ठहरता-था-मैं	मुखिया-की-तरह	और-बैठता-था-मैं	मार्ग-उनका	चुनता-था-मैं	
	H1416	H4428	H7931		H3427	H1870	H0977	
						יְנַחֵם׃	אֲבֵלִים	
						शांति-देनेवाला	शोकितों-को	
						H5162	H0057	

> मैंने उत्तरदायित्व लिया और लोगों के लिये निर्णय किये, मैं नेता बन गया। मैंने उनकी सेना के दलों के बीच राजा जैसा जीवन जिया। check मैं ऐसा व्यक्ति था जो उन लोगों को चैन देता था जो बहुत ही दु:खी है।